



ਬੌਧਰੀ ਚਰਣ ਸਿੰਹ ਹਰਿਪਾਣਾ ਕ੍ਰਿਤੀ ਵਿਸ਼ਵਿਦਿਆਲਾਯ, ਫਿਸਾਰ ਲੋਕ ਸੰਪਰਕ ਕਾਨੂੰਨੀ

ਸਮਾਚਾਰ ਪਤ੍ਰ ਕਾ ਨਾਮ	ਦਿਨਾਂਕ	ਪ੃ਛਟ ਸੰਖਧਾ	ਕੌਲਮ
ਨਾਈ ਰਾਜਾ ਨ੍ਯੂਯ਼ਰ ਵੈਨਲ	20-10-2021		

The image shows a YouTube video thumbnail. The main video frame displays three men standing outdoors in a green, landscaped area. One man is holding a microphone. A red banner across the top left of the video frame contains the text 'ਡਿਸੈਟ' (Dishai) in white. In the top right corner of the video frame, there is a logo for 'ਭਰਤੀ ਦੇਸ਼ ਨ੍ਯੂਜ਼ NEWS' (Bharti Desh News). Below the video frame, a white rectangular box contains the text 'Bhartidesan University is Now Delivering Online Degree Programs' and 'Featured Online Programs: MBA | BBA | Other Courses'. There is also a 'Apply Now' button and a small image of a person. The YouTube interface at the bottom includes a play button, a progress bar showing '0:39 / 1:13', and other standard video controls.

ਏਥਰੋ ਨੇ ਕਿਯਾ ਕਮਾਲ, ਕਿਸਾਨੀ ਦਾ ਫੀਜ਼ ਖਾਲੀ ਹੋਗਾ ਛਲਮ

34 views • Oct 19, 2021

1 0 SHARE SAVE ...



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, फिसार
लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	फॉर्म
कैश टूडे न्यूज चैनल	20-10-2021		

YouTube

SEARCH

C

**CONTACT FOR
SALE &
PURCHASE
IN KURU
SECTORS &
AGRICULTURAL
LAND**

ARORA PROPERTIES
SELL | PURCHASE | CONSULTANT

Contact No.:
Dharmender Malik
98964-07861

छोट के सामने बड़े फैल, किसानों के लिए बढ़ावा जावित होगा है ट्रॉक्टर छोट

66 views · Oct 19, 2021

0 0 SHARE SAVE



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, डिसार
लोक संपर्क कार्यालय।**

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर डेकिंग न्यूज़	20-10-2021		

उचित भंडारण सुविधा के अभाव में खराब हो सकती हैं तीस प्रति शत तक संघियां : डॉ. गोदारा

卷之三



[View Details](#)

ਜ਼ੋਂ-ਜੋਂ ਤਖ਼ਸ਼ਿ ਤੈਥਾਰ ਲਾਹੌ ਨੀ ਦੀ ਜਾਵਕਾਹਿ



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआरयूट्यूब चैनल	20-10-2021		



Watch

Home

Live

Show

Saved Videos

Your Watchlist



किसानों के लिए फायदेमंद साधित होगा है - ट्रैक्टर, जानिए डीजल ट्रैक्टर के मुकाबले कित...

...



Like



Comment



Share



Dislike

Rajendra Gohil and 134 others · 7 Comments · 1K Views



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पुस्तक संख्या	कॉलम
एचआर यू ट्यूब चैनल अग्रेजी	20-10-2021		





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	टिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ट इंक "दूज पेपर	20-10-2021		

एचएयू वेजानिकों ने किसानों को दी छलाट, मौसम को ध्यान में टालकर करें सट्टों की विजाहि

[Prev Post \(https://trekkko.in/heavy-rain-in-haryana/\)](https://trekkko.in/heavy-rain-in-haryana/) / [Next Post \(https://trekkko.in/mothspoonch/\)](https://trekkko.in/mothspoonch/)

प्रियजनों! आपकी लिखित सुझावों में बहुत अच्छी विचारों की ओर ध्यान देने की आशा है। हरियाणा में लाली ग़ुरु का दूरी, अविद्या, फ्रैंक, डिस्ट्रॉक्शन और शैक्षणिक सेवा की बढ़ी जानी है। विद्यालय काली उभार का जलंधर देख रहा है। जीवी जल भूमि विविधताएँ जैविक और अन्य विविधताएँ विविधताएँ हैं। विद्यालय का नियन्त्रण की लियाई जानी चाहीं और जल की विविधताएँ जैविक और अन्य विविधताएँ हैं। विद्यालय का नियन्त्रण की लियाई जानी चाहीं और जल की विविधताएँ जैविक और अन्य विविधताएँ हैं।

जल की जल की विविधताएँ जैविक और अन्य विविधताएँ हैं। विद्यालय का नियन्त्रण की लियाई जानी चाहीं और जल की विविधताएँ जैविक और अन्य विविधताएँ हैं। जल की जल की विविधताएँ जैविक और अन्य विविधताएँ हैं। जल की जल की विविधताएँ जैविक और अन्य विविधताएँ हैं। जल की जल की विविधताएँ जैविक और अन्य विविधताएँ हैं। जल की जल की विविधताएँ जैविक और अन्य विविधताएँ हैं। जल की जल की विविधताएँ जैविक और अन्य विविधताएँ हैं। जल की जल की विविधताएँ जैविक और अन्य विविधताएँ हैं। जल की जल की विविधताएँ जैविक और अन्य विविधताएँ हैं।



मोहनपुर में नई विविधता विविधता

जैविक विविधताएँ के अनुसार विविधताएँ जैविक विविधताएँ की विविधताएँ हैं। विद्यालय का नियन्त्रण की लियाई जानी चाहीं और जल की विविधताएँ जैविक और अन्य विविधताएँ हैं। विद्यालय का नियन्त्रण की लियाई जानी चाहीं और जल की विविधताएँ जैविक और अन्य विविधताएँ हैं। विद्यालय का नियन्त्रण की लियाई जानी चाहीं और जल की विविधताएँ जैविक और अन्य विविधताएँ हैं। विद्यालय का नियन्त्रण की लियाई जानी चाहीं और जल की विविधताएँ जैविक और अन्य विविधताएँ हैं। विद्यालय का नियन्त्रण की लियाई जानी चाहीं और जल की विविधताएँ जैविक और अन्य विविधताएँ हैं। विद्यालय का नियन्त्रण की लियाई जानी चाहीं और जल की विविधताएँ जैविक और अन्य विविधताएँ हैं।



जल की विविधताएँ की विविधताएँ जैविक विविधताएँ हैं। विद्यालय का नियन्त्रण की लियाई जानी चाहीं और जल की विविधताएँ जैविक और अन्य विविधताएँ हैं। विद्यालय का नियन्त्रण की लियाई जानी चाहीं और जल की विविधताएँ जैविक और अन्य विविधताएँ हैं। विद्यालय का नियन्त्रण की लियाई जानी चाहीं और जल की विविधताएँ जैविक और अन्य विविधताएँ हैं। विद्यालय का नियन्त्रण की लियाई जानी चाहीं और जल की विविधताएँ जैविक और अन्य विविधताएँ हैं। विद्यालय का नियन्त्रण की लियाई जानी चाहीं और जल की विविधताएँ जैविक और अन्य विविधताएँ हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	फॉलम
हरियूमि ई-पेपर	20-10-2021		

हरिभूमि

Home > (/राज्य) > (/राज्य)कार्यालय > (/राज्य/हरियाणा)एवेन्यू के बारियाई >

एवेन्यू के वैज्ञानिकों ने किसानों को दी सलाह, मौसम को ध्यान में रखकर करें सरसों की बिजाई

डॉ. रमनिकाल द्वारा नियमानुसार किसानों के लिए सरसों की फसल की बुआई के लिए सलाह जारी करते हुए बता है कि किसान बिजाई से पूर्ण वीरगम के गहनजर खेत में नभी कर लियें बाजान रखें। सरसों की फसल की बुआई का समय 30 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक होता है, लेकिन बायकूट इसके अगर किसी वर्षणवाह किसान बिजाई नहीं कर पाए तो भी से 10 नवंबर तक उचित किसी के चुनाव के साथ इसकी बिजाई कर सकते हैं।



वैज्ञानिक सलाह दिल्ली हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा

By: Ashwani Kumar [/Ashwani-Kumar] Created On: ०८ १९ Oct २०२१ १:०७ PM Last Updated On: ०८ १९ Oct २०२१ ६:३७ PM

हिस्तर: सरसों तो ये उत्तर जाने वाली फसल है एक बहुतानुरूप स्थान रखती है। हरियाणा में सरसी गुणवत्ता का से बेहतरी, माहिनागम, विशेष, लिंगानी व लेंगन फिल्टर में लोट्ट जाती है। किसान सरसी उत्तरांश कम खर्च में अधिक जाम करता है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संयुक्त कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	फॉरम
हिसार समाचार पत्र	20-10-2021	पृष्ठ 1	प्राप्ति

प्राप्ति

प्राप्ति का नाम:
Mr. Followers

प्राप्ति: नीतियां की एक महत्वपूर्ण घटना की विवरणीय है। इसमें नीति की



प्राप्ति का विवरण:

लोक संयुक्त कार्यालय की एक खेल विभाग के बीच आयोजित खेल की विवरणीय है।

लोक संयुक्त कार्यालय की एक खेल विभाग के बीच आयोजित खेल की विवरणीय है।

लोक संयुक्त कार्यालय की एक खेल विभाग के बीच आयोजित खेल की विवरणीय है। लोक संयुक्त कार्यालय की एक खेल विभाग के बीच आयोजित खेल की विवरणीय है।

लोक संयुक्त कार्यालय की एक खेल विभाग के बीच आयोजित खेल की विवरणीय है। लोक संयुक्त कार्यालय की एक खेल विभाग के बीच आयोजित खेल की विवरणीय है।

लोक संयुक्त कार्यालय की एक खेल विभाग के बीच आयोजित खेल की विवरणीय है। लोक संयुक्त कार्यालय की एक खेल विभाग के बीच आयोजित खेल की विवरणीय है।

लोक संयुक्त कार्यालय की एक खेल विभाग के बीच आयोजित खेल की विवरणीय है। लोक संयुक्त कार्यालय की एक खेल विभाग के बीच आयोजित खेल की विवरणीय है।

लोक संयुक्त कार्यालय की एक खेल विभाग के बीच आयोजित खेल की विवरणीय है।



चौधरी चरण सिंह पुरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	फॉलम
टे शर्मा न्यूज़ पेपर	20-10-2021		

बुधवार 20 अक्टूबर 2021 3

एचएयू वैज्ञानिकों ने विकसित किया ई-ट्रैक्टर

हिसार(एस जीन)। चौधरी चरण सिंह पुरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वितीय इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर पर अनुसंधान करने वाला देश का पहला कृषि विश्वविद्यालय बन गया है। विश्वविद्यालय के कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज ने इस ई-ट्रैक्टर को तैयार किया है। यह ट्रैक्टर 16.2 किलोवाट की बैटरी से चलता है और छोड़ने ट्रैक्टर की तुलना में इसकी संचालन लागत अहम कम है। विश्वविद्यालय के कृष्णपति प्रौद्योगिकी और काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए कहा कि यह ई-ट्रैक्टर 23.17 किलोमीटर प्रति घण्टे की अधिकतम रफ्तार से चल सकता है औ 1.5 टन वजन के द्वेष के साथ 80 किलोमीटर तक का राहकर कर सकता है। इस ट्रैक्टर के प्रयोग से किसानों की आमदानी में काफी भी इजाफा होता है। यह अनुसंधान उत्तराखण्ड कृषि मशीनरी और सार्व इंजीनियरिंग विभाग के वैज्ञानिक एवं अनुसंधान निदेशक, उत्तरी बंगाल कृषि मशीनरी परीक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान, दिल्ली और मुम्बई जैन के मार्गदर्शन में प्राप्त की गई है। कूलारीने ऐंड्रोइडसे की इस नई रुद्धि की प्रशस्ता की और भविष्य में इसी प्रकार किसान लिंगों अनुसंधान करने पर जोर दिया।

ये है ट्रैक्टर की खासियत

विश्वविद्यालय के कृष्णपति प्रौद्योगिकी और काम्बोज ने कहा कि ई-ट्रैक्टर के प्रौद्योगिकी की बताई जाए तो इसमें 16.2 किलोवाट ऊर्जा की लिंगप्रमाण आपने बैटरी का इस्तेमाल किया क्या।



इस बैटरी को 09 घण्टे में पूल जाने किया जा सकता है। इस दौरान 19 से 20 मिनट विजली की खपत होती है। उसके अनुसार ट्रैक्टर 1.5 टन वजन के द्वेष के साथ 80 किलोमीटर तक का राहकर कर सकता है। इसमें प्राप्त चारिंग का भी लिंगप्रमाण उत्तम है जिसको बदल से ट्रैक्टर की बैटरी महज 4 घण्टे में चारों कर सकते हैं। ट्रैक्टर में लामडार 7.7 प्रतिशत का लूप्यम पुल है। इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर के संचालन की सामग्री के हिस्साएँ से यह छोड़ने ट्रैक्टर के मुकाबले में 3.2 प्रतिशत और 25.72 प्रतिशत तक सस्ता है। ट्रैक्टर में कंपन और शोर की बताई जाए तो इसमें 5.2 प्रतिशत सामग्री और 20.5.2 प्रतिशत शोर और आँखें कोहर की उत्तिकलाय अनुभेद सीधा से कम करता रहता है। ट्रैक्टर में ऑपरेटर के पास हूँड़ना के कारण तपिश भी पैदा होने के कारण तपिश भी पैदा होता है।

नहीं होती जो ऑपरेटर के लिए विस्तृत आगामी दिन आविष्ट होता। उसके अनुसार छोड़ने के बड़ी हुए दारों को देखते हुए यह ट्रैक्टर किसानों के लिए काफी किफायती साबित होगा जिससे उसकी आमदानी में भी इजाफा होता है।

इस अवसर पर हुई एम.एल.पेडला, पूर्व निदेशक, केन्द्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, खुटनी लाला हुड़ी किकास गोपन, बैटरी चालित ट्रैक्टर के निर्माता भी उपस्थित थे। विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. अमरजीत कालगा, जैन इंजीनियरिंग कॉलेज, डॉ. एस. के. लहराथ, निदेशक अनुसंधान, डॉ. अल्पुल लोंगा, डॉम पी.जी.एस और डॉ. विजय रमन, कृषि मशीनरी और ऊर्जा इंजीनियरिंग विभाग ने बैटरी में चलने वाला ट्रैक्टर के किकास की समझना की।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टैनिक सर्वेत्र न्यूज़	20-10-2021		

**एचएचू वैज्ञानिकों
ने किसानों को
दी सलाह**

खेत को तैयार करते समय रखें उचित नमी

हिसार, 19 अक्टूबर (सुरेन्द्र नाथी) : सरसों रबी में उत्तर गढ़े वाली फसलों में एक महत्वपूर्ण स्थगन रखती है। हरियाणा में सरसों भूमध्य समय में रेखाघाट, महेन्द्रगढ़, हिसार, मिरसा, फिरानी व येवारु जिलों में योहू जाती है। किसान सरसों उत्तर कम रुचि में अधिक लाभ कमा रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. रामनिवास शांता ने किसानों के लिए सरसों की फसल की युआई के लिए, सलाह दी करते हुए कहा है कि हिसार बिजाई से पूर्व गोसम के ग्रैनजर येत में नभी कर विशेष छहन रखें। सरसों की फसल की युआई का नमम 30 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक होता है, लेकिन बाजार नहू इसके अपर किसी भारप्राप्ति हिसार बिजाई कही कर पाए तो भी वे 10 नवंबर तक उचित किसानों के चुनाव के साथ इसकी बिजाई कर सकते हैं। सरसों की पहली बिजाई के लिए आरएच-9801 व आरएच-30 की बिजाई कर सकते हैं। इसके लिए वैज्ञानिकों द्वारा चतुर चार दिशा-निर्देशों की पालना चाही है ताकि फसल में अच्छी पैदावार हासिल की जा सके। उन्होंने अलग विजाई के समय



सरसों की फसल।

बिजाई से पूर्व बीजोपवार जारी

कृषि प्रशिक्षणालय के आनुवादिकी एवं पौधे प्रशिक्षण के अध्यक्ष डॉ. एस. बैठ, यात्रा के अनुसार समय पर बिजाई के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विकासित उत्तर किसी आरएच 725, आरएच 0749, आरएच 30 सार्वोत्तम है जिसकी विविधत क्षेत्र के लिए 1.5 किलो बीज प्रति एकड़ बारानी बोजों के लिए 2 किलो प्रति एकड़ बीज लाना चाहिए। बिजाई से पूर्व बीज की 2 ग्राम कल्याणीज्य प्रति किलो बोज के विविध से सुखा उपचार उपलब्ध करें। गोंधे से गोंधे की दूरी 10 से 15 से.मी. व जलार से जलार की दूरी 30 से.मी. रखें। इसके अलावा उत्तर किसी आरएच 725 व आरएच 749 से के समय खेत अच्छी प्रकार से तैयार

करते हुए उचित नमी रखें। कलार से जलार की दूरी 25 से.मी. तक भी रखी जा सकती है। सरसों के विज्ञानिक डॉ. रमेशवर्मन ने यात्रा के सौते जलार करने समय 6 टन जलार की खाद वा कम्फ्रेस्ट प्रति एकड़ लाना चाहिए और विभिन्न बोजों में 35 कि.ग्रा. छोटी व 25 किलो शुरिया तथा 10 किलो जिकस्ट वा 70 किलो शुरिया व 75 किलो रिंगल सुपरफोमेट वा प्रदोष करना चाहिए। इसमें शुरिया की अधिक मात्रा बिजाई के समय व अधिक शुरिया पालनी विविध पर तथा अन्य खाद बिजाई के समय उल्लेखनीय की जाएगी। अलावा बीजों में 35 किलो शुरिया, 75 किलो रिंगल सुपरफोमेट बिजाई के समय उल्लेखनीय करते हुए उचित नमी रखें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	फॉलम
पांच बजे न्यूज़	19-10-2021		

उन्नत किस्मों का करें चयन, प्रमाणित बीज का करें प्रयोग

एथएयू वैज्ञानिकों ने किसानों को दी सलाह, मौसम को ध्यान में रखकर करें सरसों की बिजाई, खेत को तैयार करते समय रखें उचित नमी

पांच बजे न्यूज़

हिसार। सरसों खेती में उगाई जाने वाली फसलों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। हरियाणा में सरसों मुख्य रूप से रेखांडी, मोहनदारह, हिसार, सिरसा, भिंडी व मेवात जिलों में बोई जाती है। किसान सरसों डगाकर कम खार्च में अधिक लाभ कमा रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. रामनिवाम दांडा ने किसानों के लिए सरसों की फसल की बुआई के लिए सलाह दी रखी करते हुए कहा है कि किसान बिजाई से पूर्व मौसम के मट्टेनजर खेत में नमी का विशेष ध्यान रखें। सरसों की फसल की बुआई का समय 30 सितंबर से 20 अक्टूबर तक होता है, सेकिन बाबजूद हमें अगर किसी कारणवश किसान बिजाई नहीं कर पाए तो भी वे 10 नवंबर तक उचित किस्मों के चुनाव के साथ इसकी बिजाई कर सकते हैं। सरसों की पछेती बिजाई के लिए आरएच-9801 व आरएच-30 की बिजाई कर सकते हैं। इसके लिए वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए दिशानिर्देशों की पालना जरूरी है ताकि फसल से अच्छी पैदावार हड्डिसिल की जा सके। उन्होंने बताया कि बिजाई के समय खेत अच्छी प्रकार से तैयार करते हुए उचित नमी रखें। बिजाई से पूर्व बीजोपचार जरूरी

कृषि महाविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजन विभाग के उत्तम डॉ. एम.के. पाहुजा के अनुसार ममत पर बिजाई के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में आरएच 725, आरएच 0749, आरएच 30 मॉर्टम हैं जिनकी सिंचित शेत के लिए 1.5 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ बीज डालना चाहिए। बिजाई से पूर्व बीज को 2 ग्राम कार्पोइडम प्रति किलोग्राम बीज के हिस्से से सूखा उपचार अप्लाई करें। पौधे से पौधे की दूरी 10 से 15 मेट्रीमीटर व कलार से कलार की दूरी 30 मेट्रीमीटर रखें। इसके अलावा उन्नत किस्मों आरएच 725 व आरएच 749 में कलार से कलार की दूरी 45 मेट्रीमीटर तक भी रखनी जा सकती है। सरसों के वैज्ञानिक डॉ. रामअवतार ने बताया कि खेत तैयार करते समय 6 टन गोबर की खाद या कम्पोस्ट प्रति एकड़ डालना चाहिए और सिंचित शेतों में 35 किलोग्राम झींगी व 25 किलोग्राम यूरिया व 75 किलोग्राम सिंचल सुपरफ़ास्ट का प्रयोग करना चाहिए। इसमें यूरिया की आधी मात्रा बिजाई के समय व आधी यूरिया पहली सिंचाई पर तथा अन्य स्थाद बिजाई के समय छाले जबकि बारनी बेत्रों में 35 किलोग्राम यूरिया, 75 किलोग्राम सिंचल सुपरफ़ास्ट बिजाई के समय छाले।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नना छोरे	19-10-2021		

10 नवंबर तक उचित किस्मों से करें सरसों की बिजाई : कृषि वैज्ञानिक

हिसार/18 अक्टूबर/रिपोर्टर

सरसों रखो में ऊपरी जाने वाली फलालों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। हरियाणा में सरसों मुख्य बाय में रेखाली, महेन्द्रगढ़, हिसार, निरमा, भिरानी व गोवाल किसी में भी है जाती है। किसान सरसों डगाकर कम सुर्खे में अधिक साथ कम्बा रहते हैं। भीषणीय घाराय सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अधिकारी डॉ राधनिकाम द्वारा ने किसीनों के लिए सरसों की फसल की चुभाई के लिए सरसों आरोग्य करने का नियमित बोर्डर से करते हुए कहा है कि किसान बिजाई से पूर्व नीसान के महेन्द्रगढ़ खेत में नमी का विशेष ध्यान रखें। सरसों की फसल की चुभाई का समय 30 अक्टूबर तक होता है। संकेत द्वारा दिए इसके अन्तर किसी कारणबाट किसान बिजाई नहीं कर पाए हो भी वे 10 नवंबर तक उचित किसीको के चुभाई के साथ दूसरी बिजाई कर सकते हैं। सरसों की पहली बिजाई के लिए



RH 725

आरएस 725। वे आरएस 30 की बिजाई कर सकते हैं। इसके लिए वैज्ञानिकों द्वारा कठाए गए दिशा-निर्देशों को पालना चाही है ताकि फसल से अच्छी रोपालन हासिल की जा सके। इसीने बताया कि बिजाई के समय सुन अच्छी प्रकार से लेखा करते हुए उचित रहती रहती है।

कृषि विश्वविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौधे प्रजनन

विभाग के अध्यक्ष डॉ एमें पाठुड़ा के अनुसार समय पर बिजाई के लिए विश्वविद्यालय द्वारा बिजाई उपलब्ध किये गए आरएस 725, आरएस 0749, आरएस 30 अच्छिम हैं जिसकी विवित दोज के लिए 1.5 बिल्लोडाम बीज गति एकड़, बागानी दोजों के लिए 2 बिल्लोडाम प्रति एकड़ बीज लासन होती है। बिजाई में पूर्व बीज को 2 दिन

पार्किंग तक बिल्लोडाम बीज के दिनाल में बूझा उपलब्ध अवलम्बन होते हैं। पीछे में गीधों की दूरी 10 में से 15 मीट्रीसीटर व कठार से कठार तक दूरी 30 मीट्रीसीटर रखते हैं। इसके अलावा उपलब्ध किसी भी आरएस 725 व आरएस 0749 से कठार तक दूरी 45 मीट्रीसीटर तक भी रखी जा सकती है। सरसों के वैज्ञानिक डॉ राधनिकाम ने कहा कि ये तृतीय बारे समय 6 टन गीधों की साइज पर कम्बीस तक एकड़ लासन चाहिए और विवित दोजों में 35 बिल्लोडाम छोएदों व 25 बिल्लोडाम चूरिया तक 10 बिल्लोडाम बिक्कम्बलेट पर 20 बिल्लोडाम चूरिया व 75 बिल्लोडाम शिंगल सुपरफासेट का लासन करना चाहिए। इसमें चूरिया को आदी भाज बिजाई के समय व आदी दूरिया पहली दिनाई वर तक अन्य साइज बिजाई के समय तक जबकि बागानी दोजों में 35 बिल्लोडाम चूरिया, 75 बिल्लोडाम शिंगल सुपरफासेट बिजाई के समय रहते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा ई-खबर	19-10-2021		

HISAR NEWS अनुक्रमक्र

सरसों किसानों के लिए एडवाइजरी: ऐसे विजाहि कर पा सकते हैं शानदार फसल

20 October 2021 / News Source: PTI



हिसार : दोपहर बारह बिंदुहरियालय कृषि विश्वविद्यालय हिसार में सरसों की उत्पत्ति बढ़ावा करने का कार्य किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी समीक्षा द्वारा किए गए सरसों नई तीव्रता में उत्पत्ति जारी करने के लिए सरकारी खाद्य और उत्पादन विभाग, विद्यार्थी अधिकारी विभाग, रेलवे व अंतर्राजीक वाहन विभाग द्वारा जारी की गयी विभागीय विभागों से सहायता ही है। इस बुनियादी के विनाश सरसों उत्पत्ति उत्तराधिकार बाज़ मुद्रा की अपेक्षा द्वारा बहुत अधिक है।



प्रबलदूर दृश्यविद्यिती के बुनियादी के विनाश की उत्पत्ति उत्तराधिकार द्वारा से बताया गया। सरसों के समान विनाश ही पूर्वी सीमाना की ओराल में उत्पत्ति बढ़ा रहा है जिसके बावजूद उत्तराधिकार के सरसों के उत्पत्ति बढ़ावा 30 लिंगवर्ष के 20 अंकट्टर तक होता है। इसके बावजूद भी यहाँ कोई विनाश नाहीं किया जाता। उत्तराधिकार के द्वारा बढ़ावा दिलाया जाना चाहिए क्योंकि यहाँ के द्वितीय काल वर्ष में यहाँ के द्वारा उत्पत्ति बढ़ावा दिलाया जाना चाहिए। यहाँ के द्वारा उत्पत्ति बढ़ावा दिलाया जाना चाहिए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	20.10.21	2	7.8

TRAINING CAMP ON KITCHEN GARDENING

Hisar: A three-day training camp on kitchen gardening was organised by Saina Nehwal Agricultural Training and the Education Institute of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University. Experts motivated unemployed youth and women to explore self-employment avenues. Giving information about training, the expert said mechanisation and value addition had a special role in increasing the production capacity of vegetable crops. About 30 per cent of the vegetables grown in the farmers' fields get spoiled due to lack of proper storage facilities. About 60 participants from different states of the country participated in the training.



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पृष्ठ ५ दिनिक मासिक	२१-१०-२१	६	६-४

सरसों की अधिक पैदावार के लिए 10 नवंबर तक करें आरएच-9801 और आरएच-30 की बुआई मौसम को ध्यान में रखकर करें सरसों की बिजाई, खेत में रखें उचित नमी

महबूब अली | हिसार



सरसों रबी में उगाई जाने वाली फसलों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। हरियाणा में सरसों मुख्य रूप से रेवाड़ी, महेंढागढ़, हिसार, सिरसा, भिवानी व मेवात जिलों में अधिक बोई जाती है। किसान सरसों उगाकर कम खर्च में अधिक लाभ कमा रहे हैं। सरसों की अधिक पैदावार के लिए पछेती किस्म आरएच-9801 व आरएच-30 की बुआई 10 नवंबर तक की जा सकती है। एचएयू

जानिए... बिजाई से पूर्व बीजोपचार जरूरी

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रामनिवास ढांडा के अनुसार, समय पर बिजाई के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उत्तम किस्में आरएच 725, आरएच 0749, आरएच 30 सर्वोत्तम हैं, जिसकी सिर्वित क्षेत्र के लिए 1.5 किलोग्राम बीज प्रति एकड़, बारानी क्षेत्रों के लिए 2 किलोग्राम प्रति एकड़ बीज डालना चाहिए। बिजाई से पूर्व बीज को 2 ग्राम कार्बोंडिजम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से सूखा उपचार अवश्य करें। पौधे से पौधे की दूरी 10 से 15 सेंटीमीटर व कतार से कतार की दूरी 30 सेंटीमीटर रखें।

के वैज्ञानिक प्रदेश के किसानों को विशेष ध्यान रखें। सरसों की फसल सलाह दे रहे हैं। चौधरी चरण सिंह की बुआई का समय 30 सितंबर से हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज 20 अक्टूबर तक होता है, लेकिन ने किसानों के लिए सलाह जारी करते बाबजूद किसी कारणवश किसान हुए कहा है कि किसान बिजाई से पूर्व नवंबर तक उचित किस्मों के चूनाव मौसम के मद्देनजर खेत में नमी का के साथ इसकी बिजाई कर सकते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	२०-१०-२१	१	४-६

नौसम के मद्देनजर करें सरसों की बिजाई

- एचएयू वैज्ञानिकों ने किसानों को दी सलाह
- उन्नत किसी का करें चयन, प्रमाणित बीज का करें प्रयोग

हरिभूमि न्यूज ►| हिसार

सरसों रबी में उगाई जाने वाली फसलों में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। हरियाणा में सरसों मुख्य रूप से रेवाड़ी, महेंढगढ़, हिसार, सिरसा, भिवानी व मेवात जिलों में बोई जाती है। किसान सरसों उगाकर कम खर्च में अधिक लाभ कमा रहे हैं। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ.



रामनिवास ढांडा ने किसानों के लिए सरसों की फसल की बुआई के लिए सलाह जारी करते हुए कहा है कि किसान बिजाई से पूर्व मौसम के मद्देनजर खेत में नमी का विशेष ध्यान रखें। सरसों की फसल की बुआई का समय 30 सितंबर से 20 अक्टूबर तक होता

है, लेकिन बावजूद इसके अगर किसी कारणवश किसान बिजाई नहीं कर पाए तो भी वे 10 नवंबर तक उचित किसी के चुनाव के साथ इसकी बिजाई कर सकते हैं। सरसों की पछें बिजाई के लिए आरएच-9801 व आरएच-30 की बिजाई कर सकते हैं।

बिजाई से पूर्व बीजोपचार करना भी आवश्यक

कृषि महाविद्यालय के आनुवांशिकी एवं पौध प्रजन विभाग के अध्यक्ष डॉ. पाहुजा के अनुसार समय पर बिजाई के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किसी आरएच 725, आरएच 0749, आरएच 30 सर्कोटम हैं जिसकी सिंचित क्षेत्र के लिए 1.5 किलोग्राम बीज प्रति एकड़, बाराती क्षेत्रों के लिए 2 किलोग्राम प्रति एकड़ बीज डालना चाहिए। बिजाई से पूर्व बीज को 2 घाम कार्बोडिंग प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से सूखा उपचार अवश्य करें। पौधे से पौधे की दूरी 10 से 15 सेंटीमीटर तथा कतार से कतार की दूरी 30 सेंटीमीटर रखें। इसके अलावा उन्नत किसी आरएच 725 व आरएच 749 में कतार से कतार की दूरी 45 सेंटीमीटर तक भी रखी जा सकती है।

एचएयू ने सरसों बिजाई के लिए दी सलाह

फतेहाबाद। चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार ने किसानों को सरसों फसल की बिजाई के लिए एडवाइजरी जारी की है। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को सरसों की अधिक पैदावार लेने के लिए बिजाई के समय ध्यान देने की बात कही है। उपायुक्त महावीर कौशिक ने बताया कि किसान कृषि वैज्ञानिकों की सलाह अनुसार खेती कर ज्यादा मुनाफा कमा सकते हैं। वैज्ञानिकों ने सरसों के अच्छे अंकुरण हेतु सरसों की बिजाई के लिए 10 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक सवारेतम समय बताया है। उन्होंने कहा कि बिजाई के समय खेत अच्छी प्रकार से तैयार करें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब के सर्वे	20-10-21	4	1-2



सरसों की फसल का फाइल फोटो।

एच.ए.यू. के वैज्ञानिकों की किसानों को सलाह

मौसम को ध्यान में रखकर करें सरसों की बिजाई

हिसार, 19 अक्टूबर (ब्यूरो): सरसों रखी में उगाई जाने वाली फसलों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। हरियाणा में सरसों मुख्य रूप से रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, हिसार, सिरसा, भिवानी व मेवात जिलों में बोई जाती है। किसान सरसों उगाकर कम खर्च में अधिक लाभ कमा रहे हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रामनिवास ढांडा ने किसानों के लिए सरसों की फसल की बुआई के लिए सलाह जारी करते हुए कहा है कि किसान बिजाई से पूर्व मौसम

के मद्देनजर खेत में नमी का विशेष ध्यान रखें। सरसों की फसल की बुआई का समय 20 अक्टूबर तक होता है, लेकिन बावजूद इसके अगर किसी कारणवश किसान बिजाई नहीं कर पाए, तो भी वे 10 नवंबर तक उचित किसी के चुनाव के साथ इसकी बिजाई कर सकते हैं। सरसों की पछेती बिजाई के लिए आरएच-9801 व आरएच-30 की बिजाई कर सकते हैं। इसके लिए वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए दिशा-निर्देशों की पालना जरूरी है। उन्होंने बताया कि बिजाई के समय खेत अच्छी प्रकार से तैयार करते हुए उचित नमी रखें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अंजीत सामाजिक	२०-१०-२१	६	६-८

‘मौसम को ध्यान में रखकर करें सरसों की

हिसार, 19 अक्टूबर (अ.स.): सरसों रबी में आई जाने वाली फसलों में से एक महत्वपूर्ण फसल है। हरियाणा में सरसों मुख्य रूप से रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, हिसार, सिरसा, घिवारी व मेवात जिलों में बोई जाती है। किसान सरसों ऊआक कम खर्च में अधिक लाभ कमा रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के वैज्ञानिकों ने

किसानों के लिए सरसों की फसल की बुआई के लिए सलाह जारी करते हुए कहा है कि किसान बिजाई से पूर्व मौसम के महेनजर खेत में नमी का विशेष ध्यान रखें। सरसों की फसल की बुआई का समय 30 सितंबर से 20 अक्टूबर तक होता है, लेकिन इसके बावजूद अगर किसी कारणबश किसान बिजाई नहीं कर पाते हैं तो भी वे 10 नवंबर तक उचित किस्मों के

चुनाव के साथ इसकी बिजाई कर सकते हैं। सरसों की पछेती बिजाई के लिए आरएच-9801 व आरएच-30 की बिजाई कर सकते हैं। इसके लिए वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए दिशानिर्देशों की पालना करके फसल की अच्छी धैदावार हासिल की जा सकती है। उन्होंने बताया कि बिजाई के समय खेत अच्छी प्रकार से तैयार करते हुए उचित नमी रखें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
प्रैंजिङ जागरण	२०-१०-२१	५	१-५

सलाह

एचएयू के विज्ञानियों ने किसानों को दी नशीहत, उन्नत किस्मों का करें चयन, प्रमाणित बीज का करें प्रयोग

मौसम को ध्यान में रखकर करें सरसों की बिजाई

खेत

खलिहान....



जागरण संवाददाता, हिसार : सरसों रबी में उगाई जाने वाली फसलों में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। हरियाणा में सरसों मुख्य रूप से रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, हिसार, सिरसा, घिरानी व मेवात जिलों में बोई जाती है।

किसान सरसों उगाकर कम खर्च में अधिक लाभ कमा रहे हैं। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. रामनिवास ढांडा ने किसानों के लिए सरसों की फसल की बुआई के लिए सरसों की बावजूद इसके अगर किसी कारणवश किसान बिजाई नहीं कर पाए तो भी वे 10 नवंबर तक उचित किस्मों के चुनाव के साथ इसकी बिजाई कर



एवरएग्रो का स्वर्ण जयंती द्वारा ● जागरण आकांक्ष

सकते हैं। सरसों की पछेती बिजाई के लिए आरएच-9801 व आरएच-30 की बिजाई कर सकते हैं। इसके लिए वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए दिशानिर्देशों की पालना जरूरी है ताकि फसल से अच्छी पैदावार हासिल की जा सके। बिजाई के समय खेत अच्छे से तैयार करते हुए उचित नमी रखें।

बीजोपचार जरूरी

कृषि महाविद्यालय के आनुवाशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डा. एसके पाहुजा के अनुसार समय पर बिजाई के लिए विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में आरएच 725, आरएच 0749, आरएच 30 सर्वोत्तम हैं जिसकी सिंचित क्षेत्र के लिए 1.5 किलोग्राम बीज प्रति एकड़, बारानी क्षेत्रों के लिए 2 किलोग्राम प्रति एकड़ बीज डालना चाहिए। बिजाई से पूर्ण बीज को 23 ग्राम कार्बोड्जम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से सूखा उपचार अवश्य करें। पौधे से पौधे की दूरी 10 से 15 सेमी तक होनी चाहिए।

मौसम को ध्यान में रखकर करें बिजाई

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. रामनिवास ढांडा ने किसानों के लिए सरसों की फसल की बुआई के लिए सलाह जारी की। उन्होंने कहा कि किसान बिजाई से पूर्व मौसम के मद्देनजर खेत में नमी का विशेष ध्यान रखें। सरसों की फसल की बुआई का समय 30 सितंबर से 20 अक्टूबर तक होता है, लेकिन बावजूद इसके अगर किसी कारणवश किसान बिजाई नहीं कर पाए तो भी वे 10 नवंबर तक उचित किस्मों के चुनाव के साथ इसकी बिजाई कर सकते हैं।

सरसों की पछेती बिजाई के लिए आरएच-9801 व आरएच-30 की बिजाई कर सकते हैं। इसके लिए वैज्ञानिकों द्वारा बताए गए दिशानिर्देशों की पालना जरूरी है। उन्होंने बताया कि बिजाई के समय खेत अच्छी प्रकार से तैयार करते हुए उचित नमी रखें। ब्लू